भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली - 110 001

सं. ईसीआई/पीएन/50/2015 **दिनांक: 12 अगस्त, 2015**

<u>प्रेस नोट</u>

विषय: विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 10-11 अगस्त, 2015 को मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का सम्मेलन

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 10-11 अगस्त, 2015 को सभी राज्यों एवं संघ राज्य-क्षेत्रों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य पहले से चल रहे निर्वाचन संबंधी कार्यक्रमों के संबंध में कार्य-निष्पादन की समीक्षा करने के साथ-साथ नई पहलों की तलाश करना तथा निर्वाचन प्रबंधन और मतदाता अनुभव में सुधार लाना था।

डा. नसीम जैदी, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने अपने प्रारंभिक संबोधन में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचनों के सदियों पुराने निर्वाचकीय मूल्यों पर दृढ़ रहते हुए निर्वाचन प्रबंधन के संबंध में तीन अतिरिक्त गुणों नामत:, जीवंतता, पारदर्शिता और जवाबदेही को मन में बिठाने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने (क) सर्व-समावेशी, त्रुटिरहित और प्रमाणीकृत ई-नामवलियों, (ख) मतदाता केन्द्रित अभिमुखीकरण, (ग) सभी स्तरों पर सांस्थानिक सुदृढीकरण, और (घ) सभी स्रोतों, चाहे वे स्थानीय या वैश्विक हों, से नए विचारों/प्रौद्योगिकी की ग्रहणशीलता की जरूरत पर बल दिया।

श्री ए.के जोति, निर्वाचन आयुक्त ने विनियामक और सुकारक दोनों के रूप में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल के द्वारा औसत मतदाता के लिए मतदान सुगम करने के दृष्टिकोण से वोटिंग इको-सिस्टम के प्रवर्धन और सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया। उन्होंने मतदाता शिक्षा, मतदाताओं के अरक्षित तबके वर्ग को सहायता और मतदान केन्द्रों पर बुनियादी न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध कराने को भी निर्वाचन प्रशासकों के लिए ध्यान दिए जाने वाले महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में निर्दिष्ट किया।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उप निर्वाचन आयुक्त, श्री सुधीर त्रिपाठी ने माननीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त, डा. नसीम जैदी द्वारा 19 अप्रैल, 2015 को कार्यभार ग्रहण करने पर व्यक्त संकल्पना के साथ-साथ उनके द्वारा आयोग के कार्य-निष्पादन का स्तर और ऊंचा करने के लिए शुरू की गई नई पहलों का उल्लेख किया। श्री ए.के. जोति, जिन्होंने 13 मई 2015 को निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण किया, का स्वागत करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि चूंकि, अपने प्रतिष्ठित करियर में उन्होंने अध्यक्ष, पोर्ट ट्रस्ट, प्रधान सचिव, वित्त एवं मुख्य सचिव, गुजरात जैसे महत्वपूर्ण पदों का धारण किया इसलिए, आयोग उनके प्रशासनिक अनुभव और प्रबंधकीय कौशलों से परिपूर्ण एवं लाभान्वित होगा। स्वागत संबोधन में मध्य प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और उड़ीसा के नव-नियुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का अलग-अलग उल्लेख किया गया।

भारत निर्वाचन आयोग के वरीय अधिकारियों, जिनमें उप निर्वाचन आयुक्त श्री विनोद जुत्शी, श्री उमेश सिन्हा और महानिदेशक, श्री संदीप जैन शामिल थे, ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

(धीरेन्द्र ओझा)
निदेशक